श्री वेंकैया नायडु ने राज्य सभा की उच्च गरिमा और मर्यादा को बढ़ाया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

राज्य सभा के सभापति के रूप में नायडु जी का प्रयास किया रहा कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं चर्चा-संवाद का केंद्र बने और इनकी मर्यादा बनी रहे: लोक सभा अध्यक्ष

...

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2022: उपराष्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति श्री वेंकैया नायडू के विदाई समारोह में विचार व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पिछले पाँच वर्षों में भारत गणराज्य के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में श्री नायडु ने जिस गरिमा, शालीनता, अनुशासनप्रियता और विद्वता से इस उच्च संवैधानिक पद के अपने दायित्वों का निर्वहन किया है, वह देश के नागरिकों के लिए ही नहीं अपितु सभी जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

यह विचार व्यक्त करते हुए कि यह भारत के संविधान और लोकतंत्र की ताकत है, जिसमें गांव के किसान का बेटा भी देश का उपराष्ट्रपति बन सकता है, श्री बिरला ने कहा कि वेंकैया नायडु जी युवावस्था से ही सामाजिक, राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहे। सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने पूरी लगन और निष्ठा से देश की सेवा की और देश की अनेक बड़ी नीतियों की रूपरेखा तैयार करने में उनके मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

यह उल्लेख करते हुए कि राज्य सभा के सभापति के रूप में उन्होंने संसदीय मूल्यों और परंपराओं के संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान दिया है, श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से राज्य सभा की उच्च गरिमा और मर्यादा को बढ़ाया है। वह सभी माननीय सांसदों, चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या प्रतिपक्ष के हों, सभी सदस्यों में समान रूप से लोकप्रिय रहे और सभी माननीय सदस्यों ने उनके दीर्घ अनुभवों का लाभ उठाया । श्री बिरला ने उल्लेख किया कि राज्य सभा के सभापति के रूप में उनका हमेशा यह प्रयास रहा कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं चर्चा-संवाद का केंद्र बने, इनकी मर्यादा बनी रहे और सार्थक चर्चा-संवाद से समाज का अधिकतम कल्याण हो, इसके लिए उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि उन्होंने सरकार के मंत्री के रूप में और फिर देश के उपराष्ट्रपति के रूप में भी उन्होंने देश के शोषित, वंचित और गरीब तबकों के जीवन में सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया।